

वप/०४/२२

आज यह मा० पत्र पत्रावली मुख्यालय पत्रावली
के साथ पेश है। यदि आज प्रार्थना



की मूल दवा पत्रावली अदम हावरी।
अदम पैरवी में खारिज हो चुकी है। अब
इस प्रा.पत्र (श.श. रा.न.) पत्रावली का कोई
प्रौचित्य नहीं रह गया है। अतः प्रा.पत्र
की प्रा.पत्र पत्रावली भी अदम हावरी।
अदम पैरवी में खारिज की जाती है। पूर्व
में प्रा.पत्र अन्तरिम स्वयंसेवा आयोग निरस्त
किये जाते हैं। पत्रावली फौसल शुमार लेकर
नम्बर से कम ही। बाह्य तकनीक सम्बन्ध
मूल दवा पत्रावली रहे। सुनाया गया।

सहायक कलक्टर
मुण्डावर (अजमेर) राज